by the National Book Trust in New Delhi recently; and

(b) if so, what was the number of foreign countries which had participated in the fair?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (PROF. M. G. K. MENON): (a) Yes, Sir. The National Book Trust, India had organised the 9th New Delhi World Book Fair at Pragati Maidan, New Delhi from February 13 to 18, 1990.

(b) Thirty foreign countries participated in the Fair.

Comuter assisted sanskrit teaching and learning

10. SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the Sanskrit Vidya Peeth and Jawaharlal Nehru University, with the support of Department of Electronics, are working on the project "Computer assisted Sanskrit teaching|learning";

(b) if so, what is the progress made so far in this regard in each of the institutions; and

(c) what is the manner in which Sanskrit teaching and learning would be aided by the work being so done?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (PROF. M. G. K. MENON): (a) and (b) Yes, Sir. The project on development of "Computer Assisted Sanskrit Teaching/Learning Environment" began in June, 1988 at Jawaharlal Nehru University and in November, 1989 at Lal Bahadur Shastri Kendriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi.

Nucleus Software System has been designed which would be used in implementing the Teaching/Learning lessons and exercises. Further, two lessons, one dealing with teaching alphabets and their properties, and another dealing with Sandhis, have been designed.

(c) These proposed software packages would be available as supplementary instructional aids to facilitate drill and practice, and remedial exercises relating to sentence|text structure, vocabulary, comprehension, production and evaluation. The packages are expected to improve Sanskrit language studies and to open up new avenues for linguistic research.

Representations against President Cantonment Board, Ambala

11. SHRI KAILASH PATI MISHRA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the residents of Ambala Cantonment (Haryana) and six out of seven elected members of the Cantonment Board, Ambala have submitted represntations to the Defence Minister/ Defence Secretary in November, 1989 against the President, Cantonment Board, Ambala, if so, the nature of allegations made;

(b) whether Government have investigated into the matter; and

(c) if so, the findings thereof and action taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (DR. RAJA RAMANNA): (a) Yes, Sir. The nature of allegations made therein can broadly be classified as follows:—

(i) He was ignoring rules and provisions of the Cantonments Act.

(ii) He has handed over Cantt. Board development projects to MES with an ulterior motive.

(iii) The development projects approved by the Board did not include works beneficial to the civil population.

(iv) The attitude of President Cantt. Board, Ambala was dictatorial and partisan.

(b) and (c) The matter was investigated by the Director, Defence Estates, Western Command, Panchkula who found that the President Cantt. Board had failed to observe certain Rules and provisions of Cantonment Act. This was brought to the notice of the GOC-in-C, Western Command, who cautioned the President Cantt. Board accordingly. The other allegations were not substantiated.

वाराणसी में गंगा जल का प्रदूषण

12. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने हाल ही में सरकार को भेजी अपनी रिपोर्ट में यह उल्लेख किया है कि वाराणसी में गंगा का जल अत्यधिक प्रदूषित हो गया है तथा वह नहाने के लायिक नहीं रह गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री साथ में कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय म राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्रीमती मेनका गांधी) : (क) जी, नहीं। (ख) एवं (ग) प्रश्न नहीं उठते।

नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित अनबिकी पुस्तकें

13. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित ऐसी कितनी पुस्तकें हैं जो पिछले पांच या इससे भी अधिक समय से ट्रस्ट के गोदामों में पड़ी हैं तथा जिनकी अभी तक बिक्री नहीं हो सकी है; और

(ख) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्यवाही की जा रही है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री साथ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (प्रो० एम० जी० के० मेनन) (क) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा हिन्दी व अंग्रेजी के अलावा 11 क्षेत्रीय भाषाओं में 1040 शीर्षकों के अंतर्गत प्रकाशित 7,12,992 पुस्तकें पिछले 5 वर्षों या इससे अधिक समय से अभी नहीं बिकी हैं। (31-3-89 की स्थिति के अनुसार)

(ख) न्यास द्वारा अपने प्रकाशनों की बिक्री बढ़ाने और पुराने स्टाक निबटाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं :

(1) नए क्षेत्रीय प्रबंधकों की नियुक्ति द्वारा न्यास के बम्बई, कलकत्ता व बंगलौर स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों को सक्रिय बनाया गया है।

(2) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अधिकारी बड़े पैमाने पर यात्रा कर रहे हैं व रा० पु० न्यास के प्रकाशनों हेतु आर्डर प्राप्त कर रहे हैं।

केन्द्रीय व राज्य सरकारों और पुस्तक खरीदने वाली अन्य एजेंसियों से प्राप्त आर्डर की तुरत सम्पूर्ति की जा रही है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के प्रकाशनों के एजेंटों, स्टाकिस्टों, और वितरकों को संपूर्ण देश में नामांकित किया जा रहा है।

(3) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास का न्यूजलेटर नियमित रूप से प्रकाशित किया जा रहा है तथा स्कूलों, कालेजों, विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों, पुस्तकालयों, पुस्तक विक्रेताओं आदि को भेजा जा रहा है। चूंकि न्यूजलेटर में नए व आने वाले प्रकाशनों का संक्षिप्त विवरण व नई पुस्तकों की सूची शामिल की जाती है अतः इससे राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की पुस्तकों की मांग बढ़ गई है।